



Govt. Maharani Laxmibai Girls P.G. College, Indore

Organising by : Economics Department

Two Weeks Faculty Development Programme on Different Dimensions of N.E.P.

(21 Nov. 2022 to 3 Dec. 2022) (Time - 3:00 pm to 5:00 pm)

(Sponsored by M.P. Higher Education Quality Improvement Programme &
World Bank Project under the Aegis of College)

[Google Link](https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdPeqBESc6FX14WolVWfOI8HF2tVpHaZQ7s3O88kjVDE7UVuQ/viewform?usp=sf_link)

Eminent Speakers

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdPeqBESc6FX14WolVWfOI8HF2tVpHaZQ7s3O88kjVDE7UVuQ/viewform?usp=sf_link



डॉ. उपिन्दर धर
21-11-22



डॉ. एम.एस. होरा
22-11-22



डॉ. गुरमीत नारंग
23-11-22



डॉ. राजीव गुप्ता
24-11-22



डॉ. सुष्मा शर्मा
25-11-22



श्री तुषार पाटिल
26-11-22



श्री अजय ठाकुर
28-11-22



डॉ. कमलेश भंडारी
29-11-22



श्री मनोज वर्मा
30-11-22



डॉ. पी.एन. मिश्रा
01-12-22



श्री शिवम् ठाकुर
02-12-22



डॉ. आदित्य लूनावत
03-12-22



डॉ. अर्चना शर्मा
04-12-22



डॉ. अंजना सक्सेना
05-12-22



डॉ. चंदा तलेरा जैन
06-12-22



संकाय विकास कार्यक्रम

दिनांक	नाम	व्याख्यान का विषय
21-11-22	डॉ. उपिन्दर धर	राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विविध आयाम
22-11-22	डॉ. एम.एस. होरा	तनाव नियंत्रण
23-11-22	डॉ. गुरमीत नारंग	जीवन में खुशियों का प्रभाव
24-11-22	डॉ. राजीव गुप्ता	व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम का महत्व
25-11-22	डॉ. सुषमा शर्मा	सकारात्मक सोच का विकास
26-11-22	श्री तुषार पाटिल	ई-सर्विस बुक
28-11-22	श्री अजय ठाकुर	आयकर निर्धारण की जानकारी
29-11-22	डॉ. कमलेश भंडारी	अध्यापन तकनीक
30-11-22	श्री मनोज वर्मा	IFMIS की कार्यप्रणाली व उपयोगिता
01-12-22	डॉ. पी.एन. मिश्रा	भारतीय ज्ञान व्यवस्था और व्यावसायिक मूल्य
02-12-22	श्री शिवम् ठक्कर	सायबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम
03-12-22	डॉ. आदित्य लूनावत	राष्ट्रीय शिक्षा नीति

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdPeqBESc6FX14WoIVWfOI8HF2tVpHaZQ7s3O88kjVDE7UVuQ/viewform?usp=sf_link

Google Link



संकाय विकास कार्यक्रम Faculty Development Programme

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयाम
21 नवम्बर से 3 दिसम्बर 2022
समय : 3 बजे से

प्रायोजक :

म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन
परियोजना एवं विश्व बैंक द्वारा पोषित

आयोजक :

अर्थशास्त्र विभाग

शा.म.ल.ब. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, इन्दौर



डॉ. किरण छाबड़ा
प्रमुख संरक्षक
अतिरिक्त संचालक



डॉ. चंदा तलेरा जैन
प्राचार्य/संरक्षक



डॉ. अर्चना शर्मा
संयोजक



डॉ. अंजना सक्सेना
विभागाध्यक्ष



डॉ. रजनी भारती
आयोजन सचिव



डॉ. रश्मि जैन
कोषाध्यक्ष

केन्द्र सरकार एवं यू.जी.सी. के द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों से संकाय को प्रशिक्षित कर कार्यप्रणाली में उन्नयन करने के उद्देश्य से संकाय विकास कार्यक्रम अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न प्रख्यात शिक्षाविदों एवं विद्वानों के द्वारा व्याख्यान आयोजित किए जायेंगे।

प्रति,

प्राचार्य,

शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
किला भवन, इंदौर

4

विषय: म. प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के अंतर्गत संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने हेतु ।

महोदया

उपरोक्त विषयक अनुरोध है कि, म. प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के अंतर्गत अकादमिक उत्कृष्टता गतिविधियों के क्रियान्वयन एवं संचालन हेतु एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाना है, यह कार्यक्रम विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित है।

यह संकाय विकास कार्यक्रम दिनांक 21.11.22 से 03.12.2022 (दो सप्ताह) तक आयोजित किया जाना है।

उक्त कार्यक्रम को आयोजित करने की अनुमति प्रदान करने का कष्ट करें।

इंदौर दिनांक 12.11.2022

नियमानुसार अनुमति
12.11.22.

भवदीया

डॉ. अर्चना शर्मा

प्राध्यापक, अर्थशास्त्र

शा. महा. लक्ष्मी बाई कन्या स्नात. महा. किला भवन,
इंदौर (म.प्र.)

प्रतिवेदन

संकाय विकास कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विविध आयाम

(21.11.22 से 3.12.22 तक)

दिनांक- 21.11.22 को महाविद्यालय में दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस संकाय विकास कार्यक्रम का विषय-“राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विविध आयाम” रहा। इसी धीम के विषय पर वक्तव्य देने डॉ. उपिन्दर धर महाविद्यालय में उपस्थित हुए।

आप वर्तमान में श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति हैं, इसके पूर्व आप एमेटि विश्वविद्यालय नोयडा में Group Additimal Vice chancellor व pro Vice chancellor के पद पर सुशेभित रहे हैं। इसके पूर्व आप जे.के. लक्ष्मीपति विश्वविद्यालय के कुलपति रहे हैं। आपने आई.आई.एम.कोलकत्ता, आई.आई.एम. इन्दौर, आई.आई.एम. त्रिवी, आई.आई.टी. रुड़की में अतिथि विद्वान के रूप में काम किया। आपने 806 पुस्तकों के ऑथर, को-ऑथर व एडिटिंग का कार्य किया। आपके निर्देशन में 40 से ज्यादा शोध उपाधि प्राप्त हो चुकी है। आपने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विविध आयामों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों के संबंध में क्रेडिट बैंक किस तरीके से कार्य करता है, यह विस्तार से बतलाया। यह नीति उन विद्यार्थियों के लिये कितना लाभकारी है, जो बीच में पढ़ाई छोड़कर कुछ वर्ष बाद पुनः शुरू करना चाहते हैं। एक विश्वविद्यालय की पढ़ाई आधी रह जाने पर किस तरह से इसको अन्य विश्वविद्यालय से पूरी करने की सुविधा, यह शिक्षा नीति प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त अन्य अनेक जानकारी आपने द्वारा प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना शर्मा द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता का पुष्पगुच्छ से स्वागत डॉ. रजनी भारती द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. निशा जैन का स्वागत डॉ. रश्मि जैन द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ. रश्मि जैन द्वारा किया गया।

संकाय विकास कार्यक्रम के दूसरे दिवस दिनांक 22.11.2022 का व्याख्यान का विषय-‘तनाव नियंत्रण’ रहा। वक्तव्य देने के लिये डॉ. महेन्द्र सिंह होरा महाविद्यालय में आए। डॉ. महेन्द्र सिंह होरा पेशे से एक डॉक्टर हैं। आप Resacher Innovoter और हीलर हैं। आप certified mind trainer हैं। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना शर्मा ने किया। डॉ. रश्मि जैन ने पुष्पगुच्छ से सम्मान किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रजनी भारती ने किया।

डॉ. होरा ने वक्तव्य में तनाव के मुख्य कारणों के बारे में बताया, तनाव का मुख्य कारण हमारे विचार ही हैं। यदि हम अपने विचारों को सकारात्मक बनाए तो हम तनाव को कम कर सकते हैं। आपने आंतरिक शक्ति को बढ़ाने के उपाय बताए, यदि हम पाँच बार पेट से सांस

लेते हैं, तो तनाव चक्र को तोड़ा जा सकता है। तनाव होने पर पानी पीने से भी तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। हम (Affirmation) प्रतिज्ञान के द्वारा भी तनाव को नियंत्रित कर सकते हैं। शरीर में होने वाले परिवर्तनों के प्रति जागरूक रहने से भी तनाव पर नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक 23.11.22 को संकाय विकास कार्यक्रम में व्याख्यान का विषय :- “जीवन में खुशियों का प्रभाव” रहा। व्याख्यान डॉ. गुरमीत सिंह नारंग द्वारा दिया गया। आप तबलीन फाउंडेशन के फाउंडर हैं। आपने खुशियों पर 9 किताबें लिखी हैं व 2000 से ज्यादा व्याख्यान देश व विदेश में दिए हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना शर्मा ने किया स्वागत डॉ. रजनी भारती ने किया व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रश्मि जैन ने किया।

आपने बताया कि किस तरह से हम खुश रहकर अपनी कार्यक्षमता को बढ़ा सकते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति यही चाहती है, कि हम सभी अपनी पूरी कार्यक्षमता से कार्य करें यह तभी संभव हो सकता है, जब हम सभी कार्य उत्साह व खुशी के साथ पूरे करेंगे। आपने बताया कि वर्तमान में रहकर भी हम खुशी का अनुभव कर सकते हैं। भूतकाल हमें दुख देता है व भविष्यकाल हमारी चिन्ताएं बढ़ाता है, इसलिए हमें वर्तमान में जीना सीखना चाहिए। हमें जो कुछ ईश्वर ने प्रदाय किया है, उसके लिये शुक्रगुजार होना चाहिए। हर जीवन का एक उद्देश्य होता है उस उद्देश्य को पहचान कर करें, हमें अपने कार्य करने चाहिए, तभी हमारी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

24.11.22 को संकाय विकास कार्यक्रम में व्याख्यान का विषय- “व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम का महत्व” रहा। व्याख्यान देने के लिए डॉ. राजीव गुप्ता जी महाविद्यालय में उपस्थित हुए। आप Institute of Management D.A.V.V Indore में प्राध्यापक हैं, व school of library and information Science D.A.V.V के भी प्रभारी हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना शर्मा ने किया। प्राचार्य डॉ. निशा जैन ने डॉ. राजीव गुप्ता का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। डॉ. रजनी भारती ने आभार प्रदर्शन किया।

आपने बताया राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में व्यक्तित्व विकास को एक इलेक्टिव विषय के रूप में रखा गया, क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। विद्यार्थी को पढ़ाई के साथ-साथ उनके व्यावहारिक जीवन में किस तरह से सफलता मिले यही शिक्षा नीति का उद्देश्य रहा है। आपने बताया कि किस तरह से soft skill को बढ़ावा दिया जा सकता है अच्छे व्यक्तित्व के गुण क्या होते हैं, उन्हें कैसे बढ़ाया जा सकता है। आपने व्यक्तित्व के विकास के बहुत से टिप्स बताए। साक्षात्कार में एक विद्यार्थी को किस तरह से अपने आपको प्रस्तुत चाहिए, यह बड़ी अच्छी शैली में आपके द्वारा बताया गया।

25.11.22 को संकाय विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत वक्तव्य का विषय :- 'सकारात्मक सोच का विकास' रहा व वक्तव्य देने के लिये हमारे बीच डॉ. सुषमा शर्मा उपस्थित हुई। डॉ. सुषमा शर्मा मानवीय विकास की प्राध्यापक हैं आपको राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर के अनेक पुरस्कार आपके सराहनीय कार्यों हेतु प्रदान किए गए हैं, जिसमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार भी शामिल है। आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ अर्चना शर्मा ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. रश्मि जैन ने किया। आपने अपने वक्तव्य में सकारात्मक सोच का विकास किस तरह से किया जा सकता है। सकारात्मक सोच के जीवन में क्या लाभ हैं व नकारात्मक सोच से मनुष्य को किस तरह से नुकसान पहुंचता है। विद्यार्थी व व्यक्ति किस तरह से अपने व्यवहार को सकारात्मक बना सकता, इस पर विस्तृत चर्चा की। आपने बहुत से टिप्स बताए कि कोई व्यक्ति किस तरह से अपने गुस्से को नियंत्रित कर सकता है। आपने बहुत से पौराणिक व रोचक उदाहरण देकर व्याख्यान को रोचक बनाया।

26/11/22 को संकाय विकास कार्यक्रम के छठवे दिवस पर वक्तव्य का विषय:- 'ई - सर्विस बुक उपयोगिता व कार्यप्रणाली' रहा। श्री तुषार पाटिल ने उपरोक्त विषय पर अपना व्याख्यान दिया। श्री तुषार पाटिल एक अन्तर्प्रेनियर डिजिटल मार्केटिंग कन्सल्टेंट व वकील हैं। आपने बताया कि सर्विस बुक को ऑफ लाईन से ऑन लाईन करना ही E सर्विस बुक हैं। यह हमारे देश की केन्द्र व राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, कि सभी कर्मचारियों की सर्विस को ऑन लाईन किया जावे। आपने बताया कि तकनीकी से परिचित होने के लिए हम सभी को digital skill सीखना अत्यन्त आवश्यक हैं। आज का समय नैनो टेक्नालॉजी का हैं, आपने E सर्विस बुक की क्या उपयोगिता हैं, उसका संधारण किस तरह से किया जा सकता है, इन बातों की विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ अर्चना शर्मा ने किया। श्री तुषार पाटिल का स्वागत डॉ. रश्मि जैन ने किया व आभार प्रदर्शन डॉ रजनी भारती ने किया।

28.11.22 को संकाय विकास कार्यक्रम के सातवें दिवस पर वक्तव्य का विषय आयकर निर्धारण रहा। इस विषय पर व्याख्यान श्री अजय ठाकुर ने दिया। आप पेंसे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। आपने आयकर, जी.एस.टी., ऑडिट, वित्तीय प्रबंधन में विशेषज्ञता प्राप्त हैं। आपने कई शासकीय विभागों के ऑडिट का कार्य किया है।

आपने बताया, कि पुराने व नए पैटर्न से आयकर प्रपत्र किस तरह से भरे जाते हैं, किसके लिए कौन सी विधि से आयकर भरना ज्यादा लाभप्रद है। आपने बताया नियमित रूप से टी.डी. एस. कटवाना चाहिए, व कर किस तरह देश के विकास में सहायक होते हैं, और हमें कर देने पर गर्व महसूस होना चाहिए। आपने अतिरिक्त कोष को कहां विनियोग किया जाय, यह प्राध्यापकों को बताया और आपने सुझाव दिया, यदि शेयर बाजार में विनियोग किया जाता हैं, तो यह सभी के लिये लाभप्रद होगा। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ अर्चना शर्मा ने किया।

किया। श्री अजय ठाकुर का पुष्पगुच्छ से स्वागत डॉ रजनी भारती ने किया। डॉ. रश्मि जैन ने आभार प्रदर्शन किया।

29.11.22 को संकाय विकास कार्यक्रम के आठवें दिवस पर वक्तव्य का विषय :- 'अध्यापन तकनीक' रहा। इस दिवस पर व्याख्यान डॉ. कमलेश भण्डारी ने दिया। आपने एम. कॉम व एम.ए. में विक्रम क्षिप्रविद्यालय उज्जैन से गोल्ड मेडल प्राप्त किया। वर्तमान में आप गुजराती महाविद्यालय के प्राचार्य हैं व देवी अहिल्या वि.वि.इन्दौर में वाणिज्य संकाय में डीन के पद पर सुशोभित हैं। आपने आयकर व करारोपण विषयों पर एक दर्जन से भी अधिक पुस्तकें लिखी हैं।

आपने अपने वक्तव्य में अध्यापन तकनीक की विभिन्न विधियों का समावेश किया। आपने कहा अच्छे अध्यापन के लिये अधिक से अधिक पढ़ने व सुनने का गुण विकसित किया जाना चाहिए। हर शिक्षक को अपने आप में उत्कृष्टता बढ़ाने के प्रयास किये जाने चाहिए सौहाद्रपूर्ण व्यवहार रखना चाहिए, समझाने के लिये अच्छी भाषा व व्यावहारिक उदाहरण का सहारा लिया जाना चाहिए। जिससे विद्यार्थियों का समझने में आसानी होगी। विद्यार्थियों को न केवल विषय का ज्ञान दें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत व व्यवहारिक समस्याओं के समाधान के भी प्रयास किए जाने चाहिए। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ अर्चना शर्मा ने किया स्वागत डॉ. रश्मि जैन ने किया व आभार प्रदर्शन डॉ रजनी भारती ने किया।

30.11.22 को संकाय विकास कार्यक्रम के नवे दिवस पर व्याख्यान का विषय 'IFMIS की कार्यप्रणाली व उपयोगिता' रहा इस विषय पर वक्तव्य देने के लिए श्री मनोज वर्मा महाविद्यालय आए। आप कोषालय में सहायक कोषालय अधिकारी है आपने प्रदेश में Pay Roll Module में कार्य किया है। आपके द्वारा Employee self service, Local office Mapping व E-payment कार्य को शासन स्तर पर प्रसिद्ध किया गया हैं। आपने बताया कि किस तरह से Login Password की सहायता से अधिकारी/कर्मचारी अपने खातों का संचालन कर सकते हैं, वर्तमान समय में हमारे लिए IFMIS की कार्यवाही से परिचित होना कितना आवश्यक है। आने वाले समय में सारे वित्तीय व शासकीय कार्य IFMIS के माध्यम से ही किए जाने हैं। आपने यात्रा भत्ता, नामिनी व मेडिकल भुगतान, जी.पी.एफ. व छुट्टियों से संबंधित सारी कार्यप्रणाली समझाई, जो इस एप के द्वारा की जाती है।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ अर्चना शर्मा ने किया। पुष्पगुच्छ से स्वागत डॉ रजनी भारती ने किया व आभार प्रदर्शन डॉ रश्मि जैन ने किया।

1/12/22 को संकाय विकास कार्यक्रम के दसवें दिवस पर वक्तव्य विषय- 'भारतीय ज्ञान व्यवस्था व व्यवसायिक मूल्य' रहा। इस विषय पर व्याख्यान डॉ प्रभु नारायण मिश्र द्वारा दिया गया। आपने एम.एस.सी. (गणित) व इसी विषय पर शोध उपाधि प्राप्त की इसके पश्चात एम. बी.ए व एल.एल.बी. की शिक्षा प्राप्त की। आपने विभिन्न क्षिप्रविद्यालयों में विभागाध्यक्ष

संकायाध्यक्ष व शोध निदेशक के पद को सुशोभित किया। 2017 में मदन मोहन मालवीय सेवा पद सम्मान हेतु आप राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कृत हुए। आपने अनेक देशों में अपना व्याख्यान दिया।

आपने अपने व्याख्यान में बताया कि हमारी ज्ञान व्यवस्था अत्यंत प्राचीन है। हमारी संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। आपने विभिन्न वेदों, शास्त्रों, उपनिषदों, पुराणों व श्लोकों के बारे में विस्तार से बताया। विना मूल्यों के समाज एक दिन भी नहीं चल सकता है हमें उन मूल्यों को बचाना है, ताकि हमारी आगे आने वाली पीढ़ी भी उन प्राचीनतम मूल्यों से ज्ञान अर्जन कर सके। मूल्यों की शिक्षा का प्रारंभ घर से होता है। इसके साथ ही विभिन्न व्यवसायों में नैतिक मूल्यों के बारे में बताया और कहा— व्यावसायिक नैतिक मूल्यों से ही देश का विकास संभव हो सकता है। विकसित देश “ जिनमें अमेरिका, जापान जर्मनी, आदि देश हैं, उनके विकास का कारण उनके व्यावसाय में नैतिक मूल्यों का होना रहा है।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ अर्चना शर्मा ने किया। डा.पी.एन मिश्रा जी का पुष्पगुच्छ से स्वागत डॉ अंजना सक्सेना व डॉ. रजनी भारती द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ. रश्मि जैन द्वारा किया गया।

‘2/12/22 को संकाय विकास कार्यक्रम के ग्याहरवे दिन के वक्तव्य का विषय’ :— सायबर अपराध व जागरूकता कार्यक्रम रहा। व्याख्यान श्री शिवम ठक्कर द्वारा दिया गया। श्री शिवम ठक्कर क्राइम ब्रांच इन्दौर में सब इन्सपेक्टर के पद पर पदस्थ है। आपने इंजीनियरिंग व एम.बी.ए. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर से किया। आपको 2018 में मालवा रत्न अवार्ड प्राप्त हुआ है। आपने अपने व्याख्यान में सायबर अपराध क्या हैं, और किस तरह से अपराध बढ़ रहे हैं, इसके बारे में बताया। सायबर अपराध किन-किन तरीकों से होते हैं, उनसे बचाव के क्या उपाय हो सकते हैं। इस बारे में बहुत ही मनोरंजक अंदाज में बताया। आपके अनुसार सायबर अपराध हमारी लापरवाही के ही कारण होते हैं, इसलिए हमें हर वक्त जागरूक रहना है। हमें क्या जानकारी किसी को देनी चाहिए व क्या जानकारी गुप्त रखनी चाहिए, किस लिंक को क्लिक करना चाहिए और कौन सी लिंक खतरनाक होती है। यह आपने व्याख्यान में बताया किस तरह से हमारे खाते से पैसे निकल जाते हैं। हमें किस तरीके से अपने आपको इनसे बचाना है। इन सब बातों की विस्तृत जानकारी आपने प्रदाय की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ अंजना सक्सेना ने किया। अतिथि परिचय डॉ. रजनी भारती ने किया स्वागत डॉ. रश्मि जैन ने किया व आभार प्रदर्शन डॉ अर्चना शर्मा ने किया।

3/12/22 को संकाय विकास कार्यक्रम के समापन के अवसर पर हमारे बीच व्याख्यान देने के लिये डॉ. आदित्य लूणावत आए। आपने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपना व्याख्यान दिया। आप वर्तमान में श्री अटलबिहारी बाजपेई शा.महविद्यालय इन्दौर में प्राध्यापक के पद पर पदस्थ हैं।

आपने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला आपने बताया इस शिक्षा नीति का उद्देश्य समस्त युवाओं को शिक्षित करना रहा है। उच्चशिक्षा को सबकी पहुंच तक उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। इस शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा हेतु जी.ई.आर.(GER) को 2035 तक 50% तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। यह शिक्षा नीति एक लचीली शिक्षा नीति है, जिसमें विद्यार्थियों को एक साथ कई विषय पढ़ने की स्वतंत्रता दी गई है, व अपनी भाषा में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा भी दी गई है। यह इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया गया है, कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। यदि विद्यार्थी बीच में अध्ययन छोड़ता है, व कुछ वर्षों बाद पुनः अध्ययन शुरू करता है, तो उसके लिए क्रेडिट बैंक में क्रेडिट सुरक्षित रखे जाने की व्यवस्था है, ताकि विद्यार्थी अपनी सुविधा से पढ़ाई पूरी कर सके।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ अर्चना शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि डॉ आदित्य लूणावत का स्वागत डॉ अंजना सक्सेना व प्राचार्य का स्वागत डॉ रजनी भारती द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ रश्मि जैन द्वारा किया गया।

संकाय विकास कार्यक्रम के समापन पर सभी प्राध्यापकों से फीड बैक फार्म भरवाए गए, जिसमें सभी प्राध्यापकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया आई और प्राध्यापकों द्वारा फीड बैक फार्म के माध्यम से यह बताया गया कि भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। अतः यह कार्यक्रम जिस उद्देश्य से आयोजित किया गया था, वह अपने उद्देश्य में सफल रहा।

संकाय विकास कार्यक्रम (फीडबैक)

Timestamp	Email address	Score	संकाय विकास कार्यक्रम आपके लिए कितना उपयोगी रहा ।	संकाय विकास कार्यक्रम की विषयवस्तु कैसी रही ।	वक्ताओं का प्रस्तुतिकरण कैसा रहा ।	किस वक्ता का प्रस्तुतीकरण सबसे अच्छा रहा ।	किस वक्ता की विषय वस्तु सबसे अच्छी रही ।	आप भविष्य में संकाय विकास कार्यक्रम में अन्य किन विषयों पर ध्यान चाहेंगे ।	आपके सुझाव ।
1 8/12/2022 16:56	rajnibharti66@gmail.com		अत्यंत उपयोगी	बहुत अच्छी	बहुत अच्छा	मनोज वर्मा	मनोज वर्मा	IFIME	ऐसे कार्यक्रम बार बार होना चाहिए।
2 9/12/2022 11:19	vishnuprasadbairagi80@gmail.com		अत्यंत उपयोगी	बहुत अच्छी	बहुत अच्छा	cyber security	cyber security	income tax cyber security	
3 9/12/2022 11:29	neelumalviya.malviya@gmail.com		अत्यंत उपयोगी	बहुत अच्छी	अच्छा	Shree Shivam Thakkar	Shree Manoj Verma	Computer, research project and paper.	No comment.
4 9/12/2022 11:29	lalitaatode@gmail.com		अत्यंत उपयोगी	बहुत अच्छी	अच्छा	M.S. Hora	Shri Manoj Verma	Research Project, Computer	No comment
5 9/12/2022 11:29	aayshak834@gmail.com		अत्यंत उपयोगी	बहुत अच्छी	बहुत अच्छा	Dr Hori	Dr. P N Mishra	Research methodology	No
6 9/12/2022 11:38	yogitamanlik@gmail.com		अत्यंत उपयोगी	बहुत अच्छी	बहुत अच्छा	श्री शिवम् ठक्कर जी, डॉ सुषमा शर्मा, डॉ. आदित्य लूनावत	डॉ सुषमा शर्मा, श्री शिवम् ठक्कर जी	Smart classes, ppt,	महाविद्यालय में होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग होकर उसे महाविद्यालय के यूट्यूब चैनल पर डाला जाए जिससे सभी लोग ऐसे अच्छे उच्च स्तरीय कार्यक्रमों का लाभ ले सकें





